मिलिसेंट सेल्सम

हिंदी: अरविंद गुप्ता



अंडे



से चूज़ा

अंडे से चूज़ा



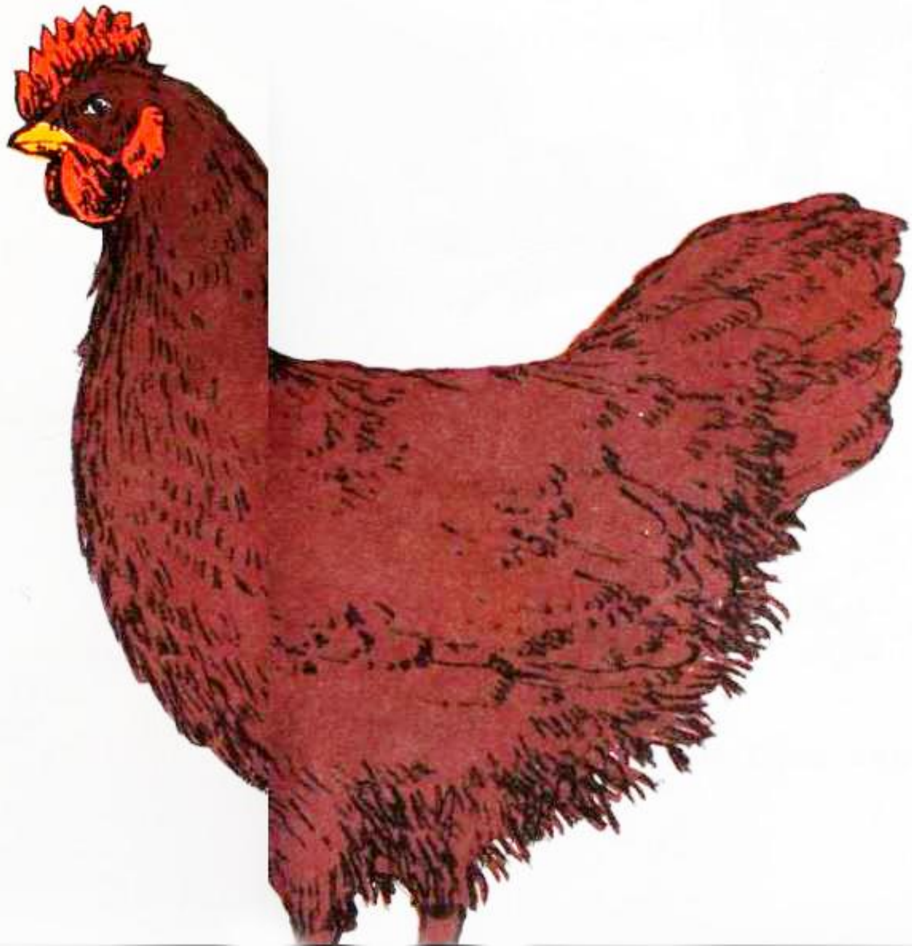
मिलिसेंट सेल्सम
हिंदी: अरविंद गुप्ता

यह एक अंडा है.



ये अंडा बड़ा होकर

मुर्गी में कैसे बदलेगा?

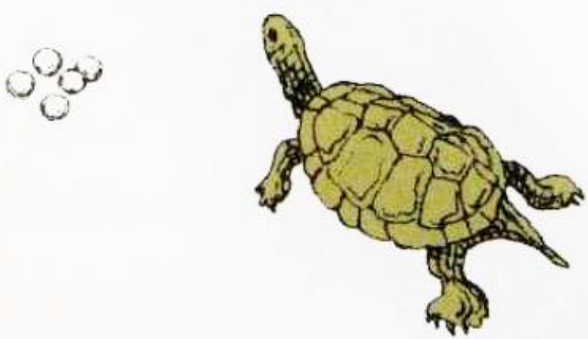


सभी जानवर अपने जीवन की शुरुआत एक अंडे से ही करते हैं.

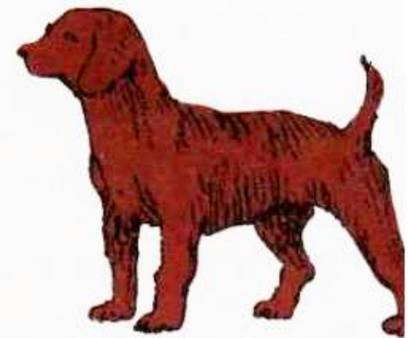
इन अंडों से मेंढक बनेंगे.



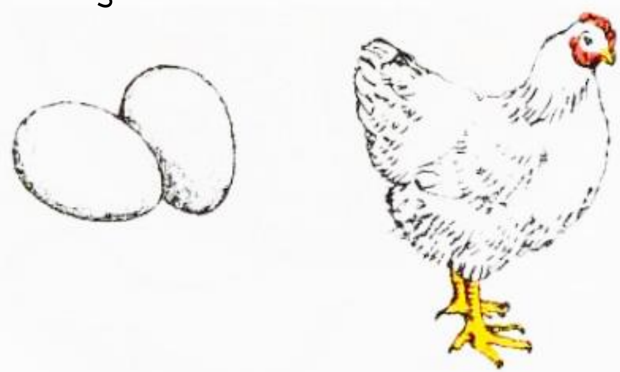
इन अंडों से कछुए बनेंगे.



इन अंडों से कुत्ते बनेंगे.



इन अंडों से मुर्गियां बन सकती हैं.



लोगों की शुरुआत भी अंडों से ही होती है.

अंडा विकसित होकर किसी बड़े जीव का रूप लेता है.

यह कैसे होता है? अंडा केवल अपने आप विकसित नहीं होता है.

उसका पहले एक शुक्राणु से मिलन होना आवश्यक है.

उसके बाद ही अंडा नए जीव या जानवर का रूप ले पाएगा.

और अंडा माँ से मिलता है.





शुक्राणु पिता से मिलता है,

यहाँ शुक्राणु और अंडे के आकार को बहुत बड़ा करके दिखाया गया है.

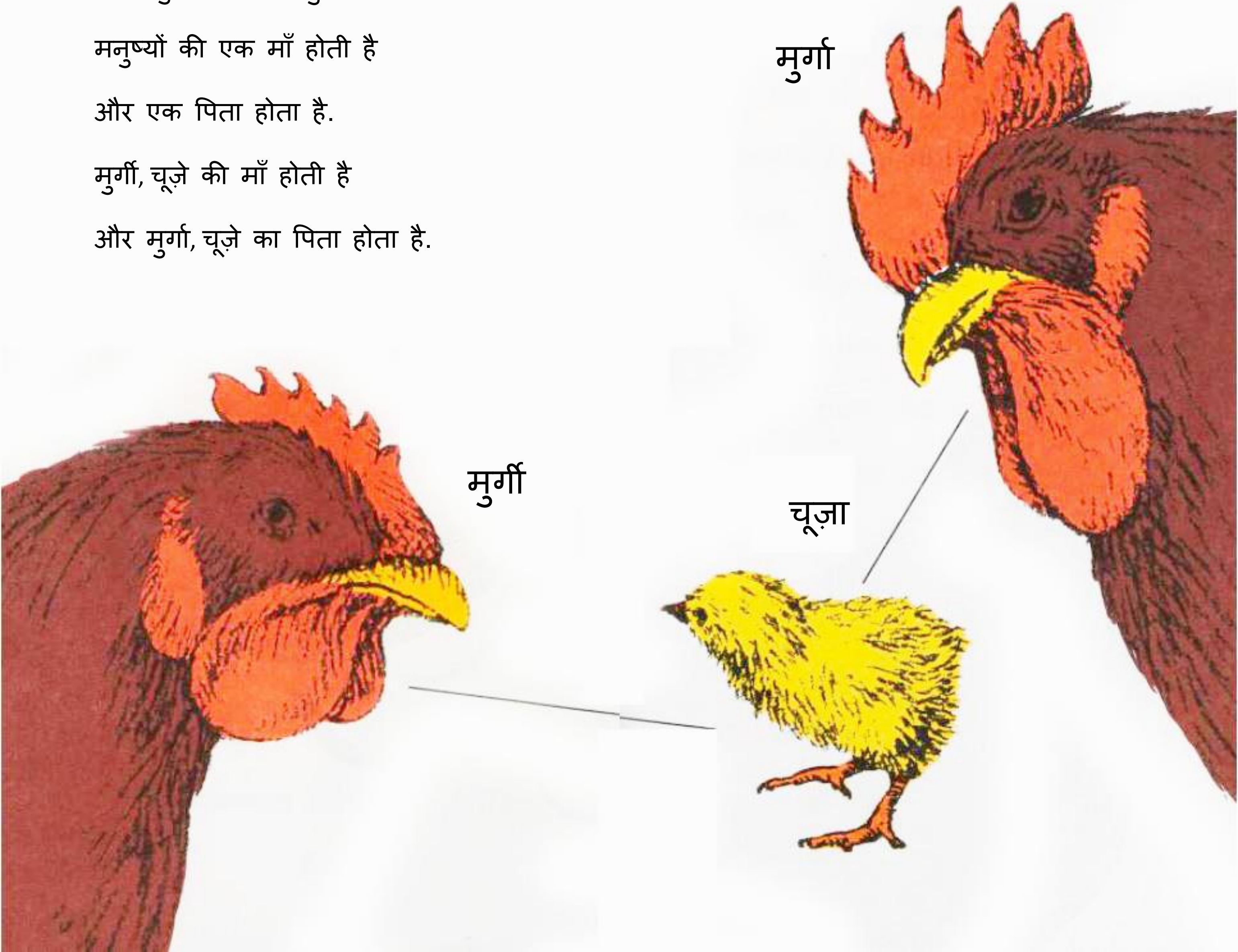
सभी मुर्गियों, मेंढकों, कुत्तों और

मनुष्यों की एक माँ होती है

और एक पिता होता है.

मुर्गी, चूज़े की माँ होती है

और मुर्गा, चूज़े का पिता होता है.



मुर्गी के अंडे उसके शरीर में ही

विकसित होना शुरू हो जाते हैं.

क्या आपने कभी मुर्गी के शरीर के अंदर

उसके अंडों को देखा है.

अंडे पीले होते है.

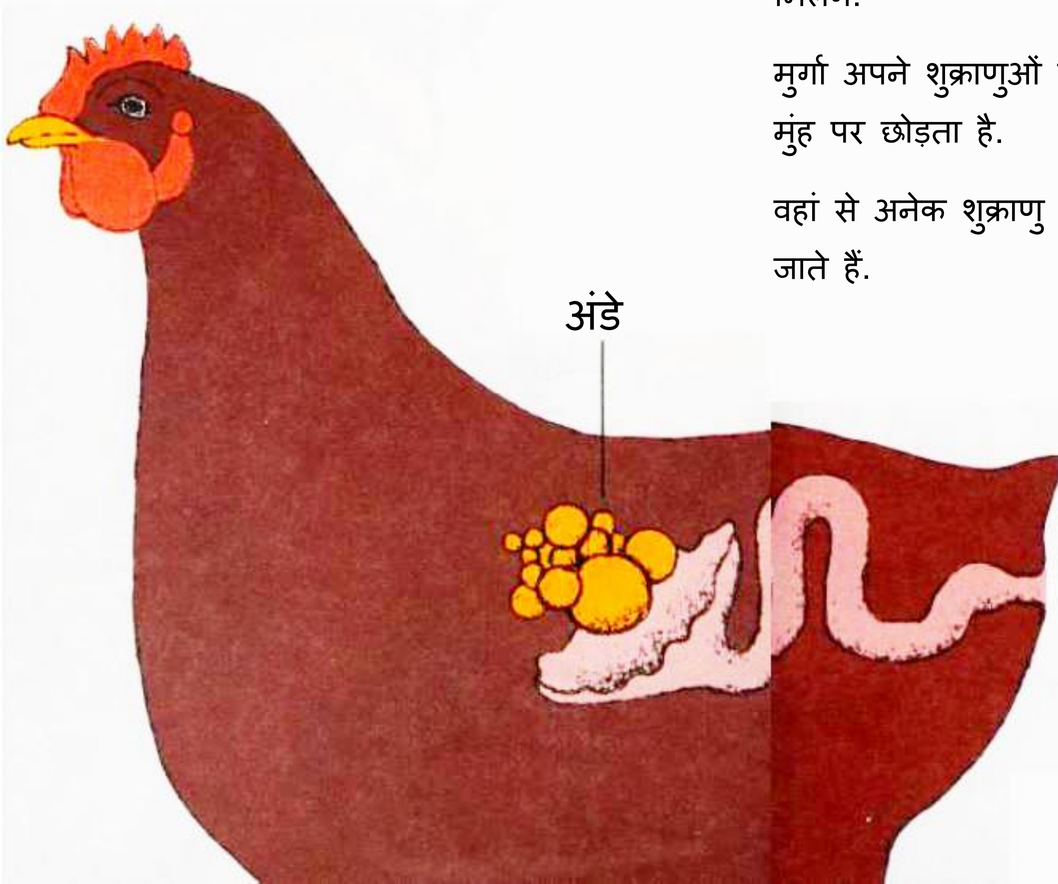
उनमें एक पीला द्रव्य भरा होता है जिसे योक कहते हैं.

ये अंडे जल्दी ही एक विशेष अंडे वाली नली में से होकर गुज़रेंगे.

अंडे वाली नली में प्रवेश करने से अंडे, शुक्राणुओं से मिलेंगे.

मुर्गा अपने शुक्राणुओं को मुर्गी की अंडे वाली नली के मुंह पर छोड़ता है.

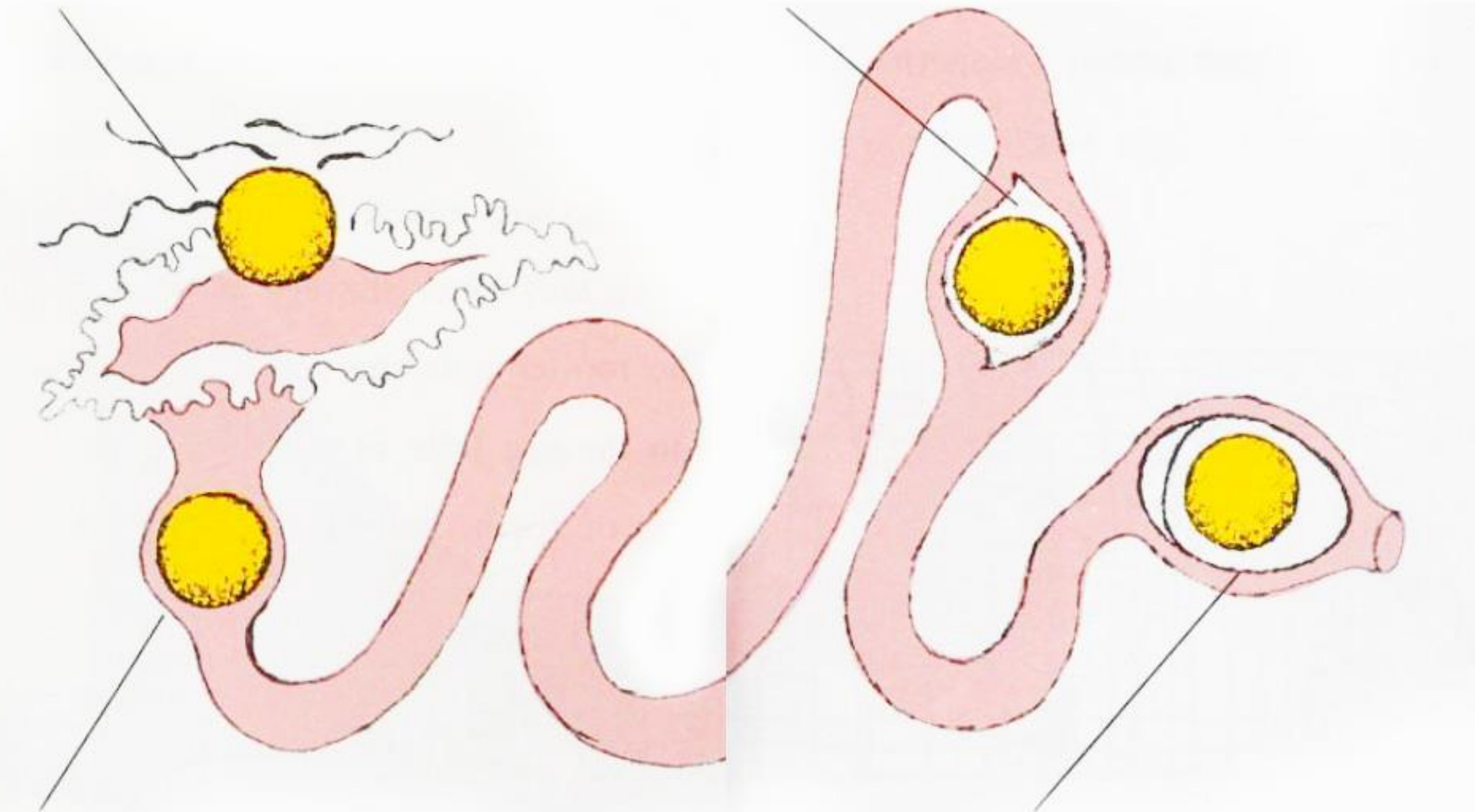
वहां से अनेक शुक्राणु तैरकर अंडे की नली में पहुँच जाते हैं.





एक शुक्राणु अंडे से जा मिलता है.

रास्ते में पीले योक के ऊपर एक सफ़ेद गीला द्रव्य लिपट जाता है.



उसके बाद ही अंडा नली में प्रवेश करके नीचे जाता है.

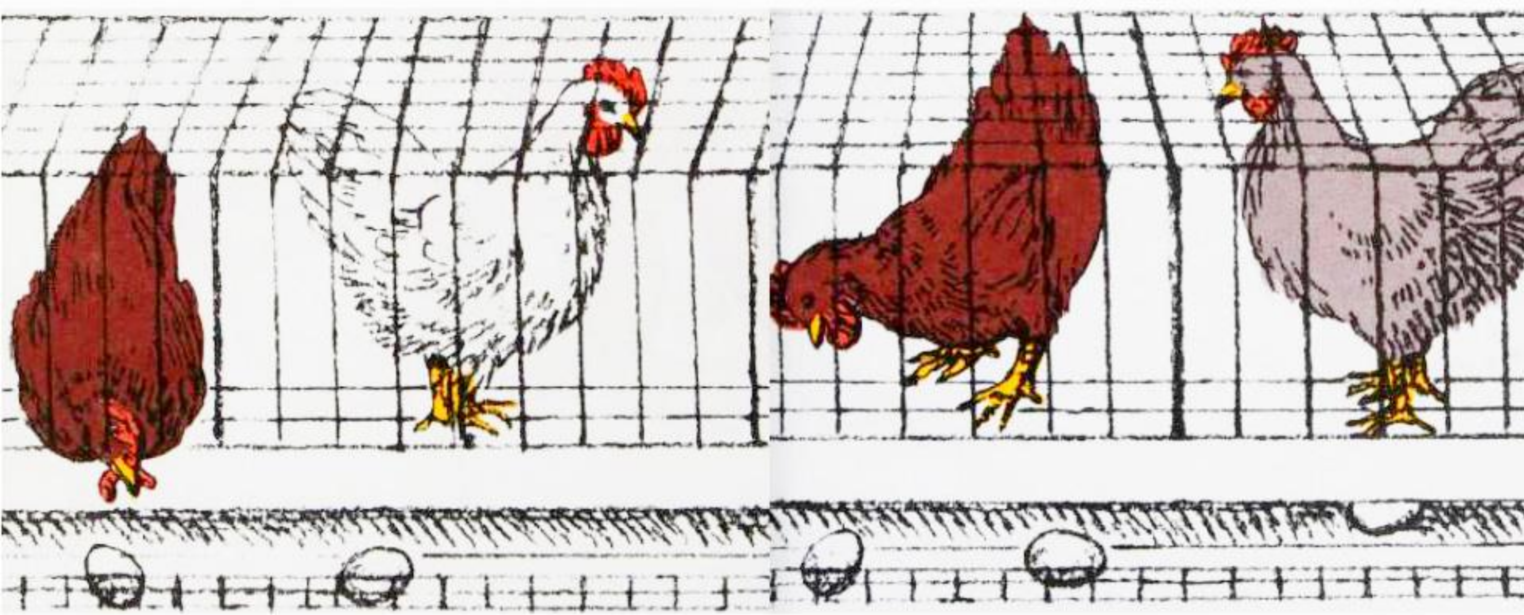
अंत में अंडे पर एक सख्त कवच चढ़ जाता है.

दुकान में बिकने वाले ज़्यादातर अंडे शुक्राणुओं के संपर्क में नहीं आए होते हैं.

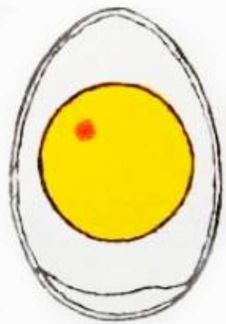
इसीलिये इन अंडों से कभी भी चूज़े नहीं निकलेंगे.

इसका कारण है कि बड़े-बड़े अंडे का फार्मों में मुर्गियों को मुर्गों से अलग रखा जाता है.

इसलिए आप जिस अंडे को नाश्ते में खाते हैं, उसमें से कभी भी चूज़ा नहीं निकलेगा.



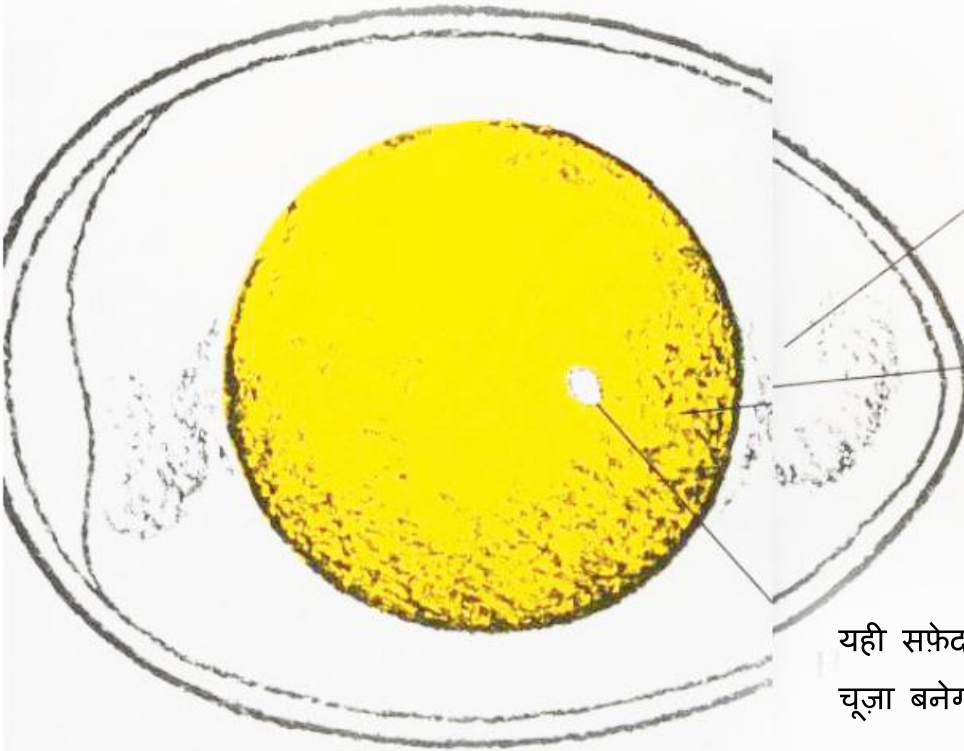
कभी-कभी अंडे के पीले योक में खून का एक लाल धब्बा दिखाई देता है. यह धब्बा नली में से गुज़रते समय अंडे के पीले योक पर लग जाता है. उस समय अंडे का बाहरी, सख्त खोल नहीं बना होता है. खून के धब्बे का यह मतलब नहीं है कि अंडा चूज़े में बदल रहा है.





यह अंडा शुक्राणुओं से मिला है. इस अंडे को कुछ देर पहले ही मुर्गी ने सेया है. यह अंडा देखने में बिल्कुल भी चूज़े जैसा नहीं लगता है. परन्तु इस अंडे में कुछ ऐसी बात है जिससे कि यह अगले 21 दिनों में एक चूज़ा बन जाएगा.

अंडे के अंदर का भाग देखने में ऐसा लगता है.



क्या कभी आपने अंडे के पीले योक में,
एक सफ़ेद रंग का धब्बा देखा है?

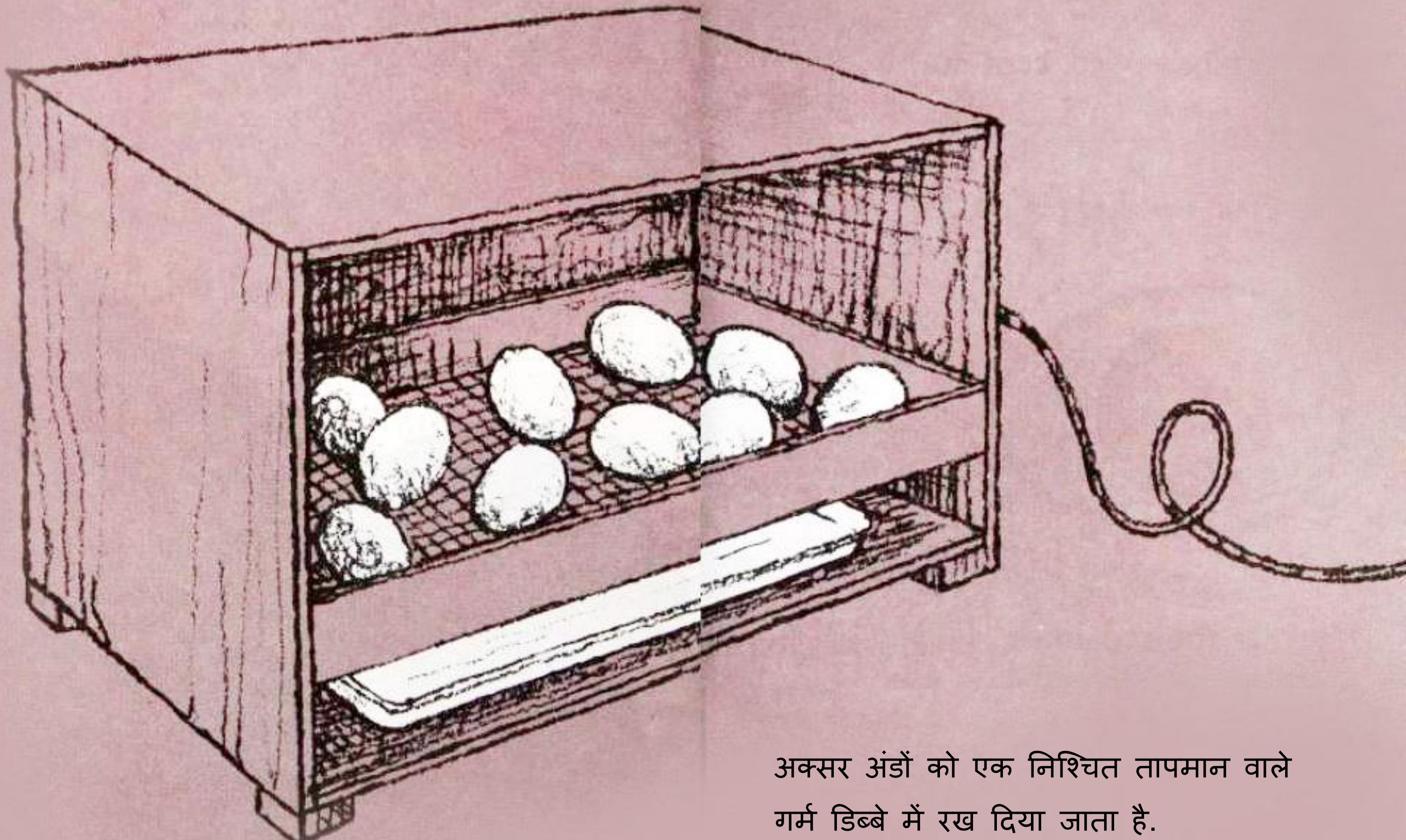
गर्मी के कारण सफ़ेद धब्बा बढ़ना शुरू हो जाता है.

मुर्गी अपने अंडों पर बैठकर उनको सेती है.

इससे अंडे गर्म रहते हैं.

फिर धीरे-धीरे अंडे, चूज़ों में बदलने लगते हैं.





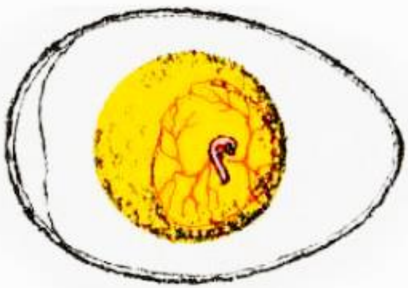
अक्सर अंडों को एक निश्चित तापमान वाले गर्म डिब्बे में रख दिया जाता है.

इस डिब्बे को बिजली से गर्म रखा जाता है.

इसे इन्क्यूबेटर कहते हैं

इस अंडे को तीन दिनों तक गर्म रखा गया है.

देखो, क्या हुआ है.



अंडे के पीले योक में कुछ लाल धारियां दिख रही हैं.

यह पतली नलियां हैं.

यह रक्त शिराएं कहलाती हैं.

यह नलियां बढ़ रहे चूज़े को खून पहुंचती हैं.

खून में खाने की भरपूर पोषण सामग्री होती है.

यह भोजन अंडे के पीले भाग यानि योक से आता है.

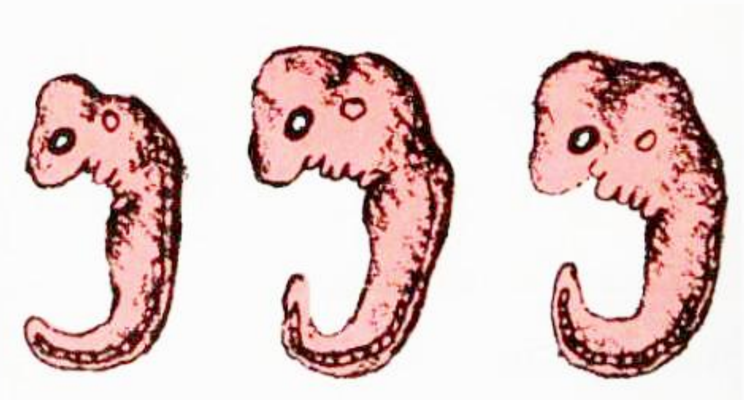
धीरे-धीरे नन्हा चूज़ा बढ़ने लगता है.

इसे भ्रूण (एम्ब्रियो) कहते हैं.

मछली के भ्रूण को देखें.

और चूज़े

और मनुष्य के भ्रूण को देखें.



मछली चूज़ा मनुष्य

क्या आपको कुछ अजीब सा लगा.

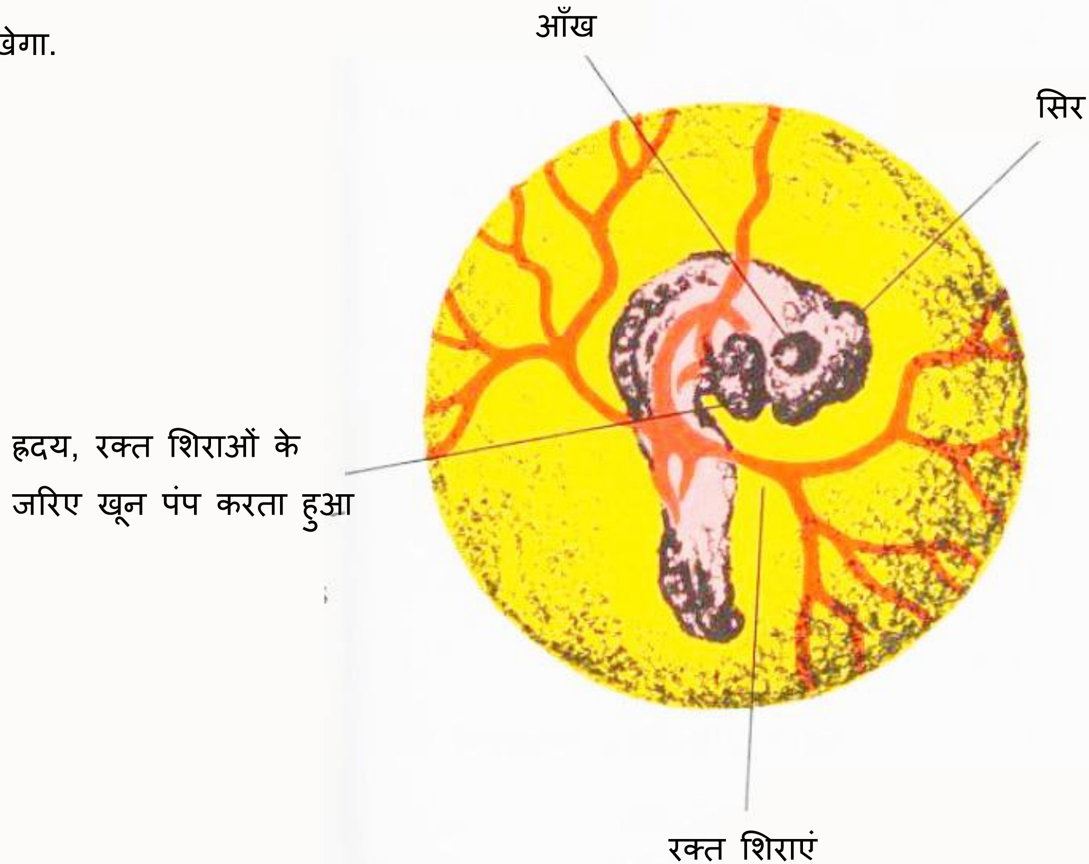
तीनों भ्रूण देखने में लगभग
एक-जैसे लगते हैं.

जब ये जीव बड़े होंगे तो ये देखने
में अलग-अलग लगेंगे.

परन्तु शुरू में सभी जीवों के भ्रूण,
देखने में एक-जैसे लगते थे.

3 दिनों बाद

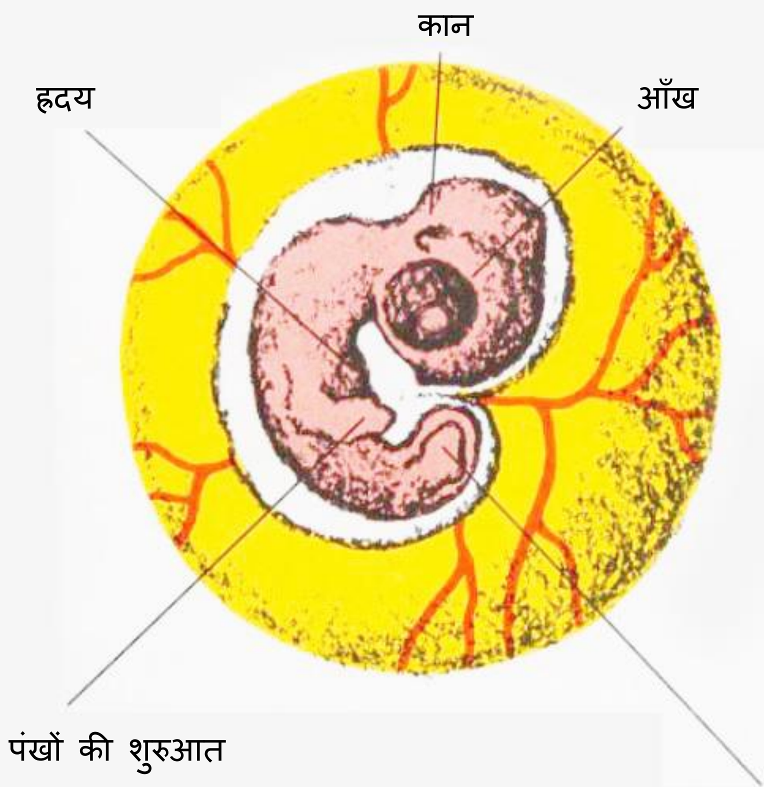
अगर आप तीन दिन बड़े मुर्गी के भ्रूण को एक हैंड-लेंस से देखेंगे तो वो देखने में कुछ-कुछ ऐसा दिखेगा.





5 दिनों बाद

अब आप चूज़े के शरीर के कुछ हिस्से देख सकते हैं.



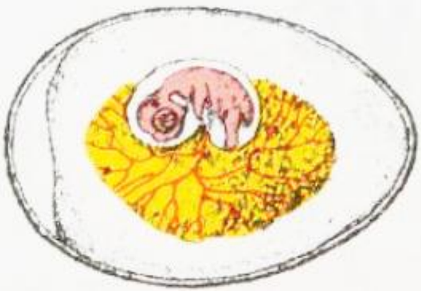
यह अंडा पांच दिनों तक गर्म रखा गया है.

इसकी रक्त शिराएं अब लम्बी, और बहुत लम्बी हो गई हैं.

खून की नलियों से अंडे का पूरा भाग भर गया है.

देखें, भ्रूण का आकार कितना अधिक बढ़ गया है.

योक से मिला खाना, भ्रूण को बढ़ने में मदद दे रहा है.



7 दिनों बाद

क्या आपको चूज़े के अलग-अलग अंग दिखाई दिए?



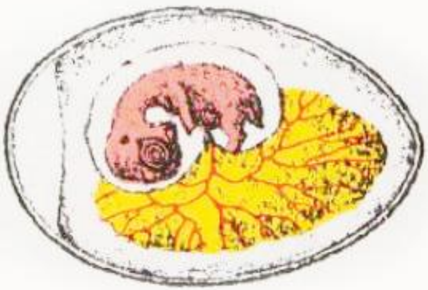
सात दिन पुराना!

अभी भ्रूण की लम्बाई केवल एक-इंच लम्बी है.

परन्तु चूज़े के शरीर के सभी अंग बन चुके हैं.

उसकी आँखों और सिर का आकर बहुत बड़ा है.

परन्तु सात दिन पुराना भ्रूण अब देखने में कुछ-कुछ चूज़े जैसा लग रहा है.



दस दिन पुराना भ्रूण अभी भी पीले योक में लिपटा पड़ा है.

अब वो देखने में एक नन्ही सी चिड़िया जैसा लग रहा है.

परन्तु अभी भी उसके पंख पूरी तरह तरह दिखाई नहीं पड़ रहे हैं.

10 दिनों बाद



भ्रूण के चारों ओर लिपटी झिल्ली को देखें.

ये देखने में पानी से भरी प्लास्टिक की थैली जैसी दिखती है.

इस थैली में भ्रूण सुरक्षित रहता है.

भ्रूण इस थैली में हिल-डुल सकता है.

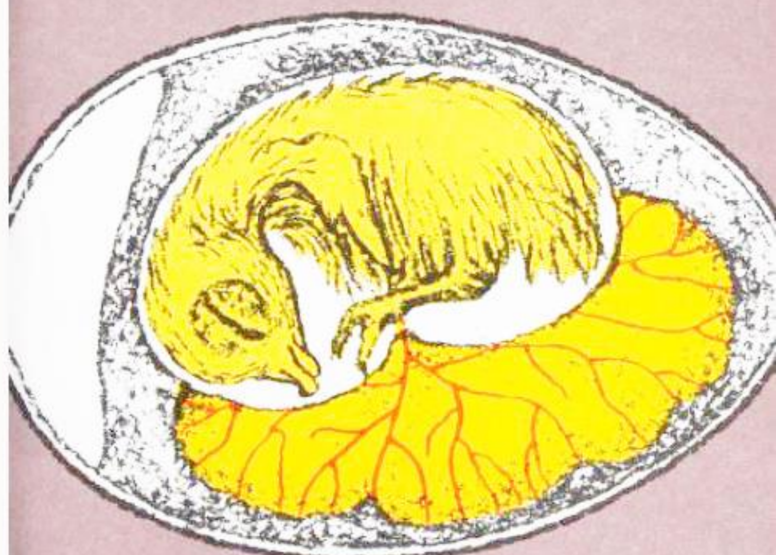
13 दिनों बाद

तेरह दिनों बाद भ्रूण देखने में ऐसा लगता है.

क्या आप इसकी चोंच को ढूंढ सकते हैं?

इसकी चोंच पर एक विशेष नुकीला दांत होता है.

इस दांत की सहायता से ही चूज़ा बाद में अंडे के सख्त कवच को तोड़ता है.



16 दिनों बाद



सोलह दिन पुराना.

चूज़ा अब अंडे के अंदर केवल पांच दिन और रहेगा.

अब भ्रूण सचमुच चूज़े जैसा नज़र आने लगा है.

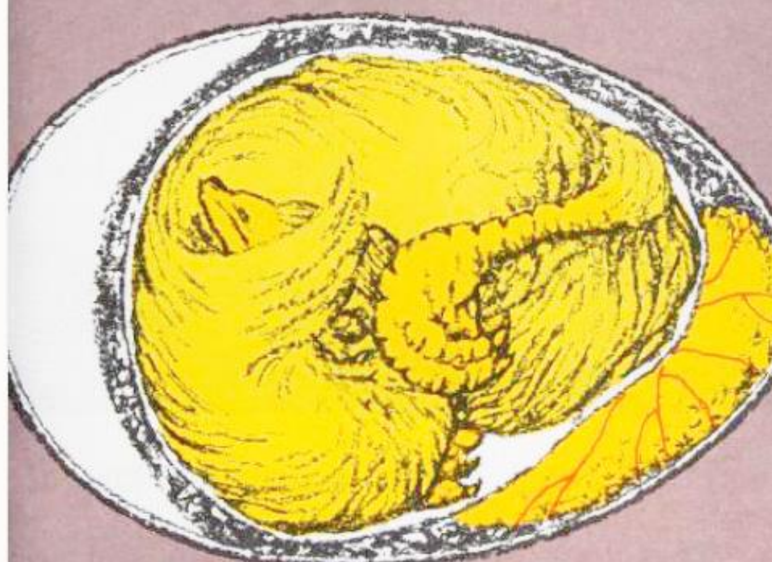
अंडे में अब केवल थोड़ा सा ही पीला योक बचा है.

अंडे का सफ़ेद द्रव्य अब लगभग ख़त्म हो चुका है.

उस द्रव्य में बहुत भोजन और पानी था.

बढ़ते भ्रूण ने उसका उपयोग किया.

19 दिनों बाद



उन्नीस दिनों बाद.

अब बहुत ही कम पीला योक बचा है.

देखिए, अब चूज़े के पंख पहले से कितने बड़े हो गए हैं.

चूज़ा अब अंडे से बाहर आने के लिए लगभग तैयार है.

21 दिनों बाद

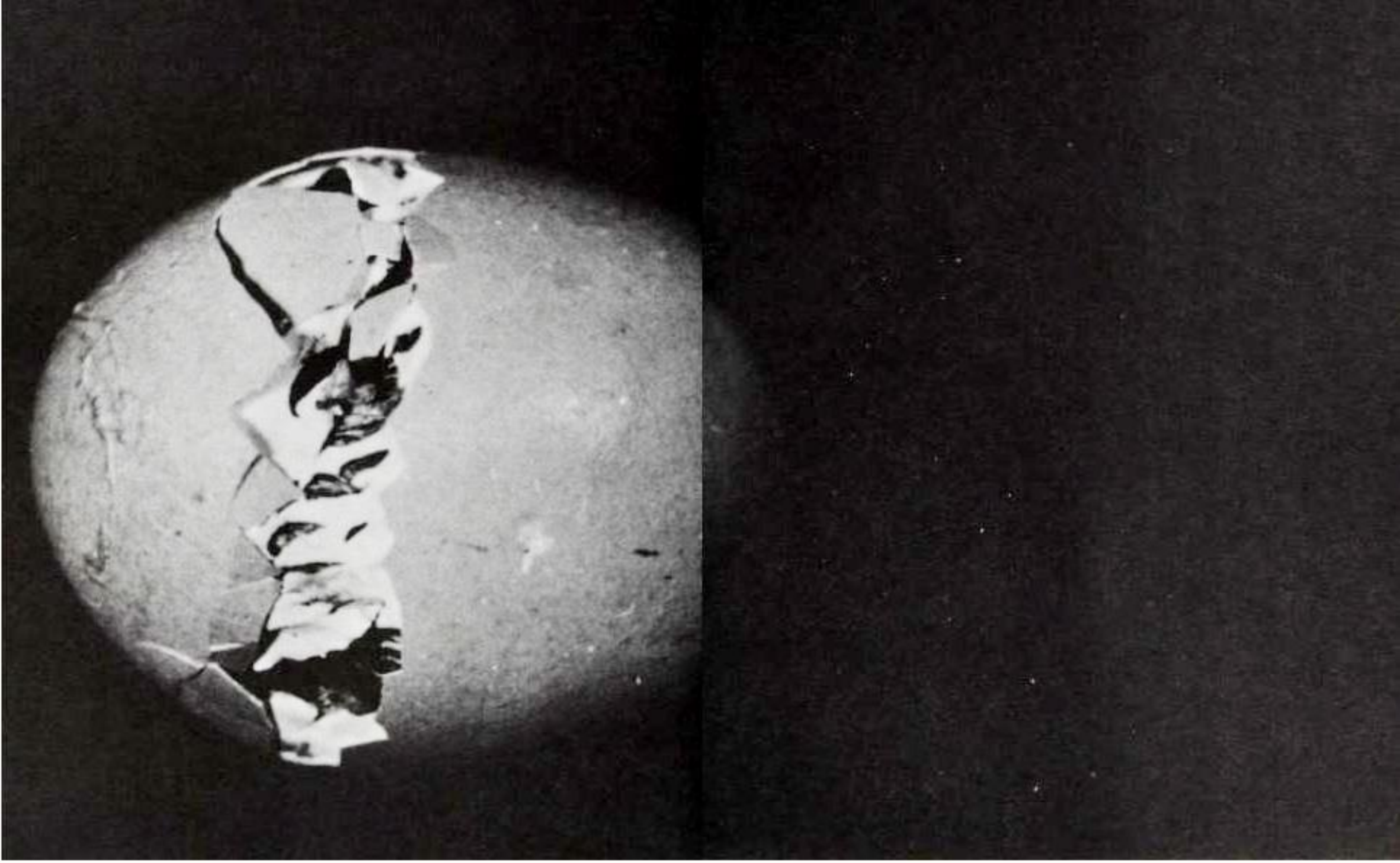


अंडे के अंदर भ्रूण के अब इक्कीस दिन पूरे हो चुके हैं.

चूज़ा अपने विशेष दांत से अब अंडे के कवच को तोड़ता है.

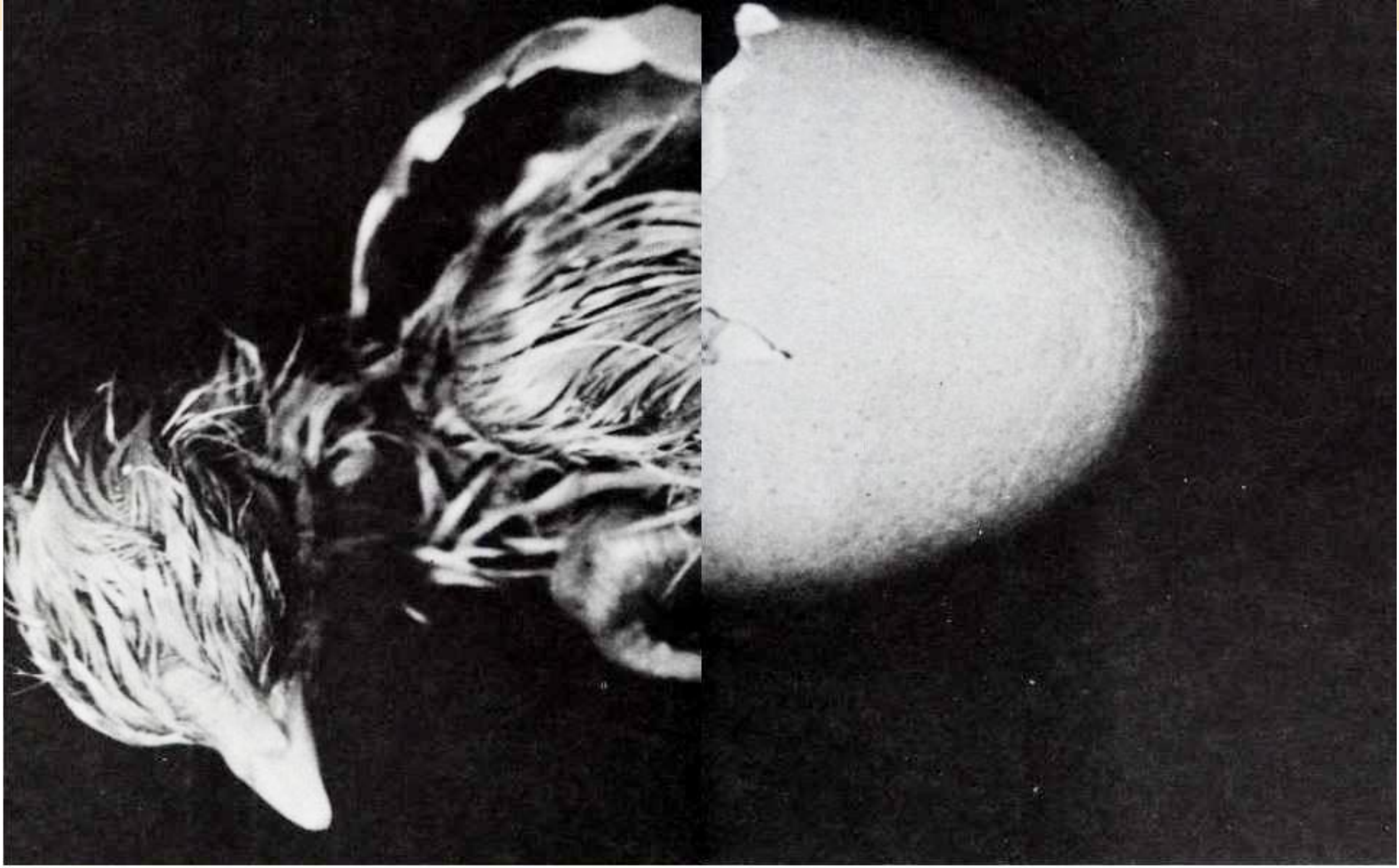
चूज़ा हज़ारों बार कवच पर चोंच मारता है.

अंत में खोल चटख जाता है.



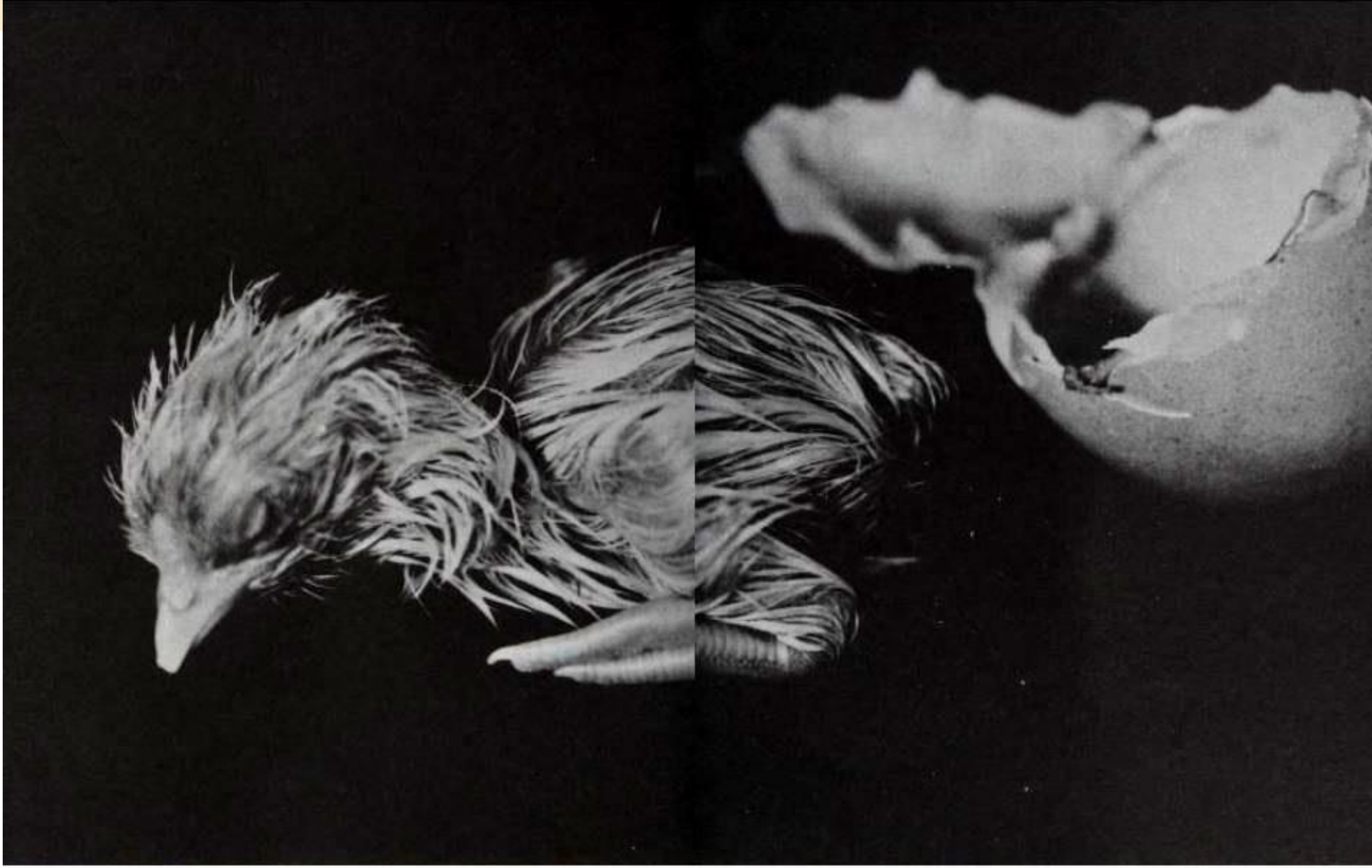
चूज़ा आसानी से अंडे के कवच
से बाहर नहीं निकल पाता है.

उसे कवच को चारों तरफ से
तोड़ने में कई घंटे लग जाते हैं.



अब चूज़ा खोल के बाहर
निकलने की कोशिश कर रहा है.

धीरे-धीरे प्रयास करके, चूज़ा अंडे के
खोल से बाहर निकल आता है.



चूज़ा अभी भी काफी कमज़ोर हालत में हैं.

उसके पैर लड़खड़ा रहे हैं.

और उसके पंख अभी भी गीले हैं.



पर कुछ ही घंटों में उसके पंख सूख जाएंगे.

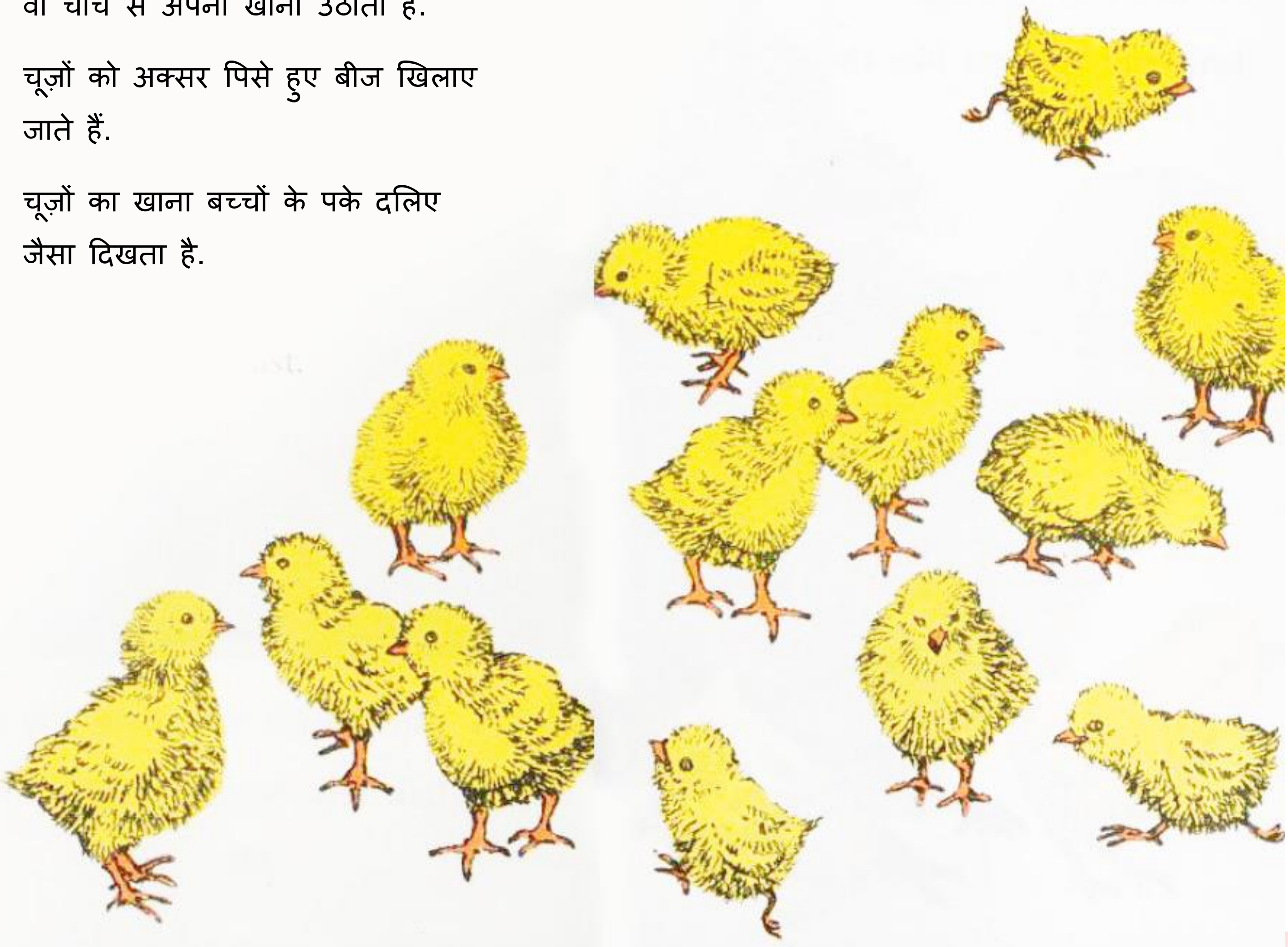
और फिर चूज़ा मुलायम और रोयेंदार बन जाएगा.

अगले दिन से ही चूज़ा चलना और दौड़ना शुरू कर देता है.

वो चोंच से अपना खाना उठाता है.

चूज़ों को अक्सर पिसे हुए बीज खिलाए जाते हैं.

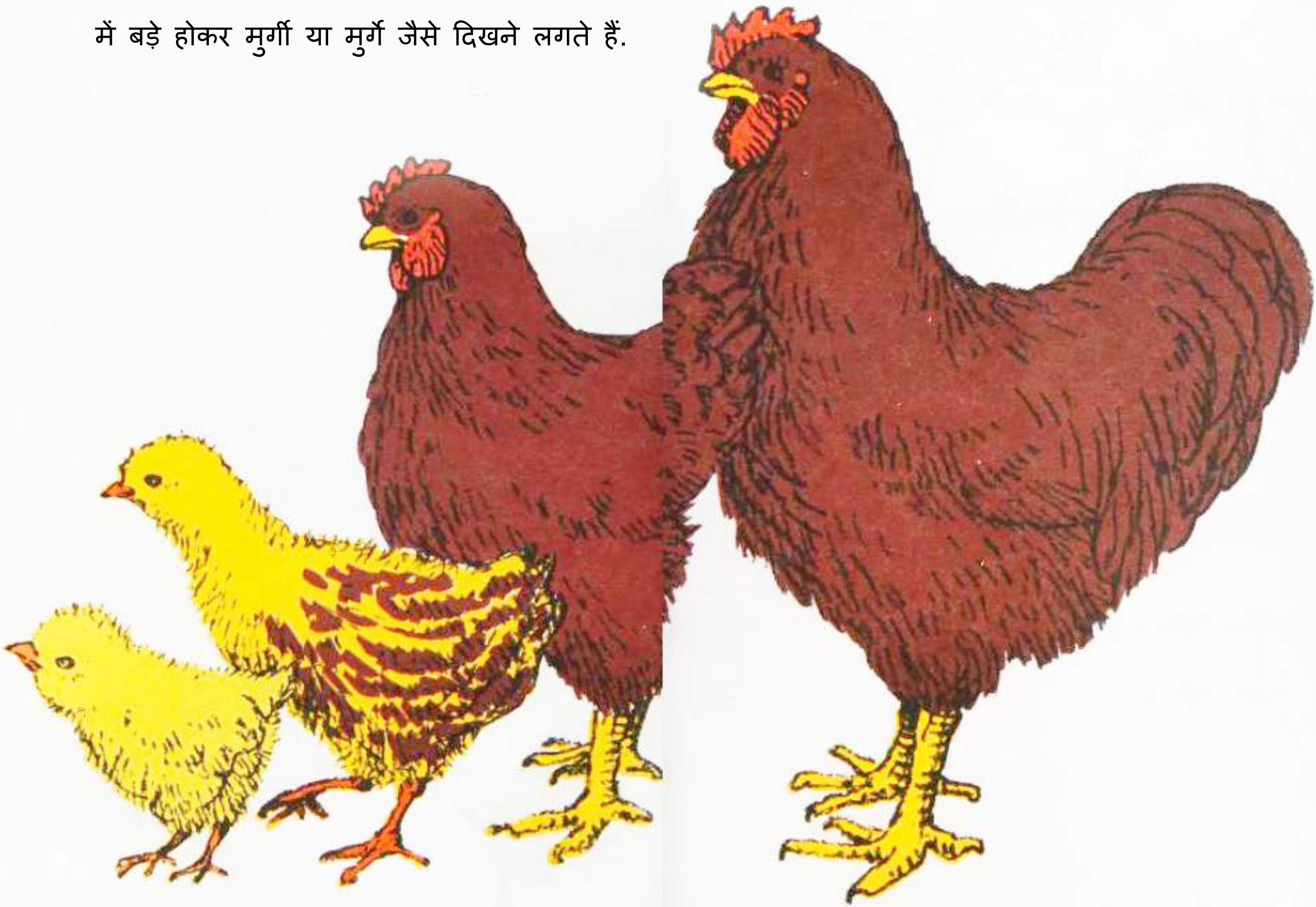
चूज़ों का खाना बच्चों के पके दलिए जैसा दिखता है.



चूज़े फिर बड़े तो जाते हैं.

वे बढ़ते हैं और बढ़ते हैं, और अंत

में बड़े होकर मुर्गी या मुर्गे जैसे दिखने लगते हैं.





फिर मुर्गियां इस प्रकार के और अंडे देती हैं.

इन अंडों में से फिर चूज़े निकलते हैं,
जो फिर.......

(कहानी को आप खुद आगे बढ़ा सकते हैं).